1. भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण

मौखिक प्रश्न

1. मातृभाषा- बच्चा जिस परिवार में जन्म लेता है, वह उसी परिवार की भाषा को बोलने और समझने लगता है। वह भाषा उसकी मातृभाषा कहलाती है। शिशु सबसे अधिक अपनी माँ के संपर्क में रहता है, इसलिए उसकी भाषा का ही सबसे अधिक प्रभाव उस पर पड़ता है। इस मातृभाषा को वह जीवन भर कभी नहीं भूलता। **2. राष्ट्रभाषा-** जो भाषा किसी राष्ट्र में सबसे अधिक विकसित हो जाती है अर्थात बोली और समझी जाती है। उसका पूरे राष्ट्र में प्रचार-प्रसार हो जाता है। वह भाषा राष्ट्रभाषा कहलाती है। वह भाषा उस राष्ट्र की पहचान बन जाती है। उदाहरण के लिए, हिंदी को हमारे देश की राष्ट्रभाषा माना जाता है। **राजभाषा-** सरकारी कामकाज में जिस भाषा का प्रयोग किया जाता है, उसे उस देश की राजभाषा कहते हैं। **3. मानक भाषा–** भाषा में एकरूपता लाने के लिए शिक्षाविद् तथा विद्वान जिस भाषा को मान्यता देते हैं, उसे मानक भाषा कहते हैं। **4.** भारत के संविधान में 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है, ये हैं–

असमिया	उड़िया	उर्दू	कन्नड़	कश्मीरी	कोंकणी
गुजराती	डोगरी	तमिल	तेलुगु	नेपाली	पंजाबी
बांग्ला	बोडो	मणिपुरी	मलयालम	मैथिली	संथाली
संस्कृत	सिंधी	मराठी	हिंदी		

5. बोली भाषा का प्रारंभिक रूप कहलाती है। यह एक सीमित क्षेत्र तक बोली जाती है अर्थात् भाषा के क्षेत्रीय रूप को बोली कहते हैं। **6.** व्याकरण के तीन अंग हैं– **अ.** वर्ण-विचार **ब.** शब्द-विचार **स.** वाक्य-विचार।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** अ **3.** ब **4.** द **5.** अ

ख. **1.** लिखित **2.** बोली **3.** मानक **4.** लिपि **5.** शब्द

ग.

भाषा		लिपि	भाषा		लिपि
संस्कृत	–	देवनागरी	गुजराती	–	देवनागरी
अंग्रेजी	–	रोमन	फ्रेंच	–	रोमन
पंजाबी	–	गुरुमुखी	बंगाली	–	बांग्ला
उर्दू	–	फ़ारसी	मराठी	–	देवनागरी

घ. **(क)** य **(ख)** द **(ग)** अ **(घ)** स **(ङ)** ब

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

2. वर्ण-विचार

मौखिक प्रश्न

1. वर्ण भाषा की वह सबसे छोटी इकाई है जिसके खंड नहीं किए जा सकते। इन्हें अक्षर भी कहा जाता है। **2.** वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते हैं। **3.** स्वर तीन प्रकार के होते हैं– **अ.** ह्रस्व स्वर **ब.** दीर्घ स्वर **स.** प्लुत स्वर। **4.** वे वर्ण, जो स्वरों की सहायता से बोले जाएँ तथा जिनका उच्चारण करते समय हवा रुककर या रगड़ खाकर मुख से बाहर निकले, उन्हें व्यंजन कहते हैं। **5.** 'क्ष', 'त्र', 'ज्ञ', 'श्र' वर्ण संयुक्त व्यंजन के अंतर्गत आते हैं। ये वर्ण दो वर्णों से मिलकर बने हैं, अतः संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। जैसे–

क्ष – क् + ष् ज्ञ – ज् + ञ्

त्र – त् + र् श्र – श् + र्

6. अनुस्वार (ं)– जब किसी व्यंजन का उच्चारण मुख के साथ-साथ नासिका से भी किया जाता है तो व्यंजन **अनुस्वार** कहलाता है। अनुस्वार का प्रयोग व्यंजन वर्ग के पंचम वर्ण (ङ, ञ, ण, न, म) के स्थान पर बिंदु के रूप में किया जाता है। अनुस्वार का उच्चारण उसी पंचम वग्र की तरह होता है, जो अनुस्वार के तुरंत बाद आया हो; जैसे– अंतर, कंगन, रंजना, डंक, अंडा, संगति आदि। अनुस्वार का उच्चारण करते समय वायु केवल नाक से निकलती है।

अनुनासिक (ँ)– इसका चिह्न शिरोरेखा के ऊपर चंद्रबिंदु (ँ) के रूप में लगाया जाता है। इसका उच्चारण करते समय हवा नाक और मुख से समान दबाव के साथ बाहर निकलती है। जैसे– हँसी, चाँदनी, माँग, भाँति आदि।

7. किसी शब्द के वर्णों को अलग-अलग करना वर्ण-विच्छेद कहलाता है। व्यंजन स्वर युक्त होते हैं, इसलिए वर्ण-विच्छेद करते समय व्यंजनों को अ रहित रूप में लिखा जाना चाहिए। जैसे–

सरोज – स् + अ + र् + ओ + ज् + अ

कार्य – क् + आ + र् + य् + अ

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** स **3.** स **4.** अ **5.** ब

ख. **1.** ह्रस्व **2.** तीन, ऊष्म व्यंजन **3.** वर्ण-विच्छेद **4.** अयोगवाह **5.** ऊष्म

ग. विद्यालय व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ

परीक्षा	प् + अ + र + ई + क् + ष् + आ
हिमालय	ह् + इ + म् + आ + ल् + अ + य् + अ
भारत	भ् + आ + र् + अ + त् + अ
आशीर्वाद	आ + श् + ई + र् + व् + आ + द् + अ
भाषा	भ् + आ + ष् + आ

घ. **संयुक्त व्यंजन –** विज्ञान, शास्त्र, ज्ञाता, अस्त्र, क्षत्रिय, श्रम

द्वित्व व्यंजन – चम्मच, पट्टी, सज्जन, टक्कर, बच्चा, उज्ज्वल

ङ **1.** स **2.** अ **3.** ब **4.** द **5.** य

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

3. शब्द-विचार

मौखिक प्रश्न

1. दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं। **2.** उत्पत्ति के आधार पर शब्द पाँच प्रकार के होते हैं– **अ.** तत्सम शब्द **ब.** तद्भव शब्द **स.** देशज शब्द **द.** विदेशी शब्द **य.** संकर शब्द। **3. (क) तत्सम शब्द–** वे शब्द जो संस्कृत भाषा से हिंदी में आए हैं तथा ज्यों के त्यों प्रयोग में लाए जाते हैं, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं। उदाहरण– रात्रि, अग्नि, पर्वत, सूर्य, स्वर्ण आदि। **(ख) तद्भव शब्द–** तद्भव शब्द वे शब्द हैं जो मूलरूप से संस्कृत के शब्दों का परिवर्तित रूप हैं। उदाहरण– रात, आग, पहाड़, सूरज, सोना आदि। **4.** रचना के आधार पर शब्द तीन प्रकार के होते हैं– **अ.** रूढ़ शब्द **ब.** यौगिक शब्द **द.** योगरूढ़ शब्द। **5.** सार्थक शब्द छह प्रकार के होते हैं– एकार्थक, अनेकार्थक, पर्यायवाची, विपरीतार्थक, श्रुतिसम भिन्नार्थक, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, आदि। **6.** जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक, काल आदि के कारण परिवर्तन हो जाता है वे **विकारी शब्द** कहलाते हैं। जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक, काल आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता वे **अविकारी शब्द** के अंतर्गत आते हैं।

लिखने का समय

क. **1.** अ **2.** द **3.** स **4.** अ **5.** अ

ख. **1.** तत्सम **2.** संकर **3.** योगरूढ़ **4.** विकारी **5.** तद्भव

ग.

काष्ठ	–	काठ	आम्र	–	आम	अग्र	–	आग
कर्ण	–	कान	कपोत	–	कबूतर	आश्रय	–	आसरा
निद्रा	–	नींद	कूप	–	कुआँ	उष्ट्र	–	ऊँट
अक्षि	–	आँख						

घ. **रूढ़** – घोड़ा घर हाथी मेज

यौगिक – पाठशाला पुस्तकालय रसोईघर हिमालय

योगरूढ़ – गजानन नीलकंठ लंबोदर पंकज

ङ. अख़बार – समाचार-पत्र जरूरत – आवश्यकता

डॉक्टर – चिकित्सक अमीर – धनी

खत – पत्र ख़जाना – कोष

सबूत – प्रमाण डायरी – दैनंदिनी

ज़मीन – भूमि

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

4. शब्द रचना : संधि

मौखिक प्रश्न

1. दो वर्णों के परस्पर मेल से उनके मूल रूप में होने वाले परिवर्तन को संधि कहते हैं। **2.** संधि के तीन भेद होते हैं– **अ.** स्वर संधि **ब.** व्यंजन संधि **स.** विसर्ग संधि। **3.** स्वर संधि के पाँच भेद होते हैं– (i) दीर्घ संधि (ii) गुण संधि (iii) वृद्धि संधि (iv) यण संधि (v) अयादि संधि। **4.** जब व्यंजन तथा स्वर के, स्वर तथा व्यंजन के या व्यंजन तथा व्यंजन के मेल से जो परिवर्तन होता है उसे व्यंजन संधि कहते हैं। **5.** विसर्ग (:) के बाद स्वर अथवा व्यंजन आने पर जो परिवर्तन होता है उसे विसर्ग संधि कहते हैं। **6.** संधि युक्त शब्दों को अलग-अलग करके लिखने की प्रक्रिया को संधि विच्छेद कहते हैं। उदाहरण– विद्यार्थी = विद्या + अर्थी, न्यायालय = न्याय + आलय।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** अ **4.** ब **5.** द

ख. **1.** नौ + इक **2.** सम् + कल्प

3. दिक् + अंबर **4.** निः + धन

5. महा + ऋषि **6.** भाग्य + उदय

7. लंका + ईश **8.** अभि + सेक

ग. **1.** पावन **2.** दुःशासन

3. दिग्गज **4.** संचय

5. स्वागत **6.** महोत्सव

7. संयोग **8.** अत्यंत

9. नमस्ते **10.** उल्लास

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

5. शब्द रचना : समास

मौखिक प्रश्न

1. दो या दो से अधिक शब्दों को परस्पर मिलाकर एक नया एवं सार्थक शब्द बनाने की प्रक्रिया समास कहलाती है। **2.** समस्त पदों के बीच हुए संबंध को अलग करने की प्रक्रिया समास विग्रह कहलाती है। **3.** समास के छह भेद होते हैं– **अ.** अव्ययीभाव समास **ब.** तत्पुरुष समास **स.** कर्मधारय समास **द.** द्विगु समास **य.** द्वंद्व समास **र.** बहुव्रीहि समास। **4.** तत्पुरुष समास के छह भेद होते हैं– **अ.** कर्म तत्पुरुष समास **ब.** करण तत्पुरुष समास **स.** संप्रदान तत्पुरुष समास **द.** अपादान तत्पुरुष समास **य.** संबंध तत्पुरुष समास **ल.** अधिकरण तत्पुरुष समास। **5. कर्मधारय और बहुव्रीहि समास में अंतर–** कर्मधारय समास में दोनों पदों में उपमेय-उपमान का या विशेषण-विशेष्य का संबंध होता है जबकि बहुव्रीहि समास में दोनों पदों को छोड़कर कोई अन्य पद प्रधान होता है।

उदाहरण – नीलकंठ – नीला है जो कंठ = कर्मधारय समास

नीलकंठ – नीला है कंठ जिसका अर्थात शिव = बहुव्रीहि समास

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** अ **3.** स **4.** स **5.** अ

ख.	**समस्त पद**		**समास**	**समास का नाम**
1.	नवग्रह	–	नौ ग्रहों का समूह	द्विगु समास
2.	राजा-रंक	–	राजा और रंक	द्वंद्व समास
3.	एकदंत	–	एक है दाँत जिसका अर्थात् गणेश	बहुव्रीहि समास
4.	गगनचुंबी	–	गगन को चूमने वाला	कर्म तत्पुरुष समास
5.	रातोंरात	–	रात ही रात में	अव्ययीभाव समास
6.	समयानुसार	–	समय के अनुसार	संबंध तत्पुरुष समास

ग. **1.** सप्तर्षि **2.** हाथोंहाथ **3.** गंगा-यमुना **4.** त्रिलोचन **5.** चतुरानन **6.** रोगमुक्त **7.** लालकिला **8.** घुड़सवार

घ. **1.** हवन-सामग्री **2.** समयानुसार **3.** अकालपीड़ित **4.** चंद्रमुखी **5.** कार्यकुशल

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

6. शब्द रचना – उपसर्ग एवं प्रत्यय

मौखिक प्रश्न

1. जो शब्दांश मूल शब्द के प्रारंभ में जुड़कर उसके अर्थ में नवीनता लाते हैं, वे 'उपसर्ग' कहलाते हैं। **जैसे–** उप – कार = उपकार, अप – मान = अपमान, अभि – मान = अभिमान **2.** उपसर्ग को चार वर्गों में बाँटते हैं– **अ.** संस्कृत के उपसर्ग **ब.** हिंदी के उपसर्ग **स.** उर्दू के उपसर्ग 4.संस्कृत के अव्यय। **3.** जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में नवीनता लाते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं। **जैसे–** भूल – अक्कड़ = भुलक्कड़, दुकान – दार = दुकानदार, भारत – ईय = भारतीय **4.** प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं– कृत प्रत्यय और तद्धित प्रत्यय।

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** अ **3.** स **4.** द **5.** अ

ख.

	शब्द		उपसर्ग	मूल शब्द	शब्द		उपसर्ग	मूल शब्द
1.	निवेदन	–	नि	विदेन	**1.** प्रवचन	–	प्र	वचन
2.	अवशेष	–	अब	शेष	**2.** खुशबू	–	खुश	बू
3.	अधखिला	–	अध	खिला	**3.** दरअसल	–	दर	असल
4.	संतोष	–	सम्	तोष	**4.** बाकायदा	–	बा	कायदा
5.	पुनर्जन्म	–	पुनः	जन्म	**5.** आजीवन	–	आ	जीवन

ग.

	प्रत्यय			प्रत्यय		
1.	सुनवाई	–	वाई	**1.** वंदनीय	–	ईय
2.	शौकीन	–	ईन	**2.** लुहारिन	–	इन
3.	घुमक्कड़	–	अक्कड़	**3.** धूमिल	–	इल
4.	भिक्षुक	–	उक	**4.** मधुरिमा	–	इमा
5.	दिखावा	–	आवा	**5.** धोखेबाज	–	बाज

घ. **1.** गैर – हमें कभी भी गैर जिम्मेदार नहीं होना चाहिए।
बद – बदकिस्मती से अजय मैच हार गया।
अन – अनपढ़ लोगों को शिक्षित करना सबसे बड़ा कार्य है।
अप – हमें किसी का अपमान नहीं करना चाहिए।
अधि – स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।
2. आस – कोयल की बोली में बहुत मिठास है।
इया – रसोइया खाना अच्छा बनाता है।
अक्कड़ – अमित बहुत भुलक्कड़ है।

कार – कालिदास संस्कृत के बहुत बड़े नटककार थे।

आई – जसलीन की लिखाई बहुत सुंदर है।

ङ		उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
अपमानित	–	अप	मान	इत
नाराजगी	–	ना	राज	गी
लापरवाही	–	ला	परवाह	ई
अलौकिक	–	अ	लोक	इक
उपयोगिता	–	उप	योग	इता

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

7. शब्द भंडार

मौखिक प्रश्न

1. जो शब्द एक समान अर्थ बताते हैं वे पर्यायवाची या समानार्थक शब्द कहलाते हैं। इन शब्दों की अर्थगत विशेषता होती है, ये समान अर्थ होने पर भी सूक्ष्म अंतर प्रकट करते हैं। उदाहरण– **पानी -** वारि, जल, नीर; **आँख -** नयन, नेत्र, चक्षु। **2.** विलोम या विपरीतार्थक शब्द एक-दूसरे का उल्टा या विपरीत अर्थ प्रकट करते हैं। विद्यार्थियों को शब्दों का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए। **3.** भाषा में कुछ ऐसे शब्द हैं जो पढ़ने और सुनने में एक समान प्रतीत होते हैं परंतु अर्थ की दृष्टि से इनमें भिन्नता होती हैं। ऐसे शब्द श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** अ **4.** स **5.** स

ख.							
नाव	–	बेड़ा	नैया	**शत्रु**	–	अरि	वैरी
वानर	–	बंदर	कपि	**अतिथि**	–	मेहमान	आगंतुक
हृदय	–	उर	दिल	**बिजली**	–	चपला	सौदामिनी
लक्ष्मी	–	रमा	पद्मा	**हिमालय**	–	हिमगिरि	गिरीश

ग. **1.** वरिष्ठ **2.** सज्जन **3.** अनुपस्थित **4.** प्रेम **5.** सुख

घ.			
अनंत	–	ईश्वर	आकाश
अर्थ	–	धन	प्रयोजन
सोना	–	स्वर्ण	सोना क्रिया (नींद)
भाग	–	हिस्सा	भाग्य

स्वर	–	आवाज	वर्णमाला के अक्षर– अ, आ, आदि
गति	–	चाल	दशा
वार	–	दिन	हमला
नव	–	नया	नौ
वर	–	वरदान	दूल्हा
फल	–	परिणाम	पेड़ पर लगने वाला फल

ङ 1. अमित **अपव्ययी** व्यक्ति है। 2. उर्वशी **मृगनयनी** है। 3. सूरदास **जन्मांध** थे। 4. रामदीन की स्थिति **दयनीय** है। 5. सुमन **कटुभाषी** है जबकि उसकी जुड़वाँ बहन बहुत **मृदुभाषी** है।

च. 1. **अपराध–** *कानून के विरुद्ध कार्य :* राहुल अपने अपराध के कारण जेल में है।

पाप– *धर्म के विरुद्ध कार्य :* कमजोर को सताना सबसे बड़ा पाप है।

2. **अस्त्र–** *वह हथियार जिसे फेंककर मारा जाए :* आज पूरी दुनिया में अस्त्रों की बाढ़ आ गई है।

शस्त्र– *वह हथियार जिसे हाथ में पकड़कर चलाया जाए :* प्राचीन काल में शस्त्र विद्या सिखाते थे।

3. **छाया–** *किसी वस्तु की :* चंद्रमा पर पृथ्वी की छाया पड़ने से चंद्रग्रहण होता है।

परछाई– *किसी प्राणी की :* अमित अपनी परछाई से डर गया।

4. **इच्छा–** *साधारण इच्छा :* रोहन की इच्छा है कि वह बड़ा होकर क्रिकेटर बने।

अभिलाषा– *किसी विशेष वस्तु को पाने की इच्छा :* हमें अपनी अभिलाषाओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

7.

आयत	–	लंबा-चौड़ा	**अचल**	–	पहाड़
आयात	–	देश में सामान लाना	**अचला**	–	पृथ्वी
अभिराम	–	सुंदर	**उपयुक्त**	–	ठीक
अविराम	–	लगातार	**उपर्युक्त**	–	ऊपर कहे अनुसार
चपल	–	चंचल	**पाणि**	–	हाथ
चपला	–	बिजली	**पानी**	–	जल
निर्झर	–	झरना	**ग्रह**	–	नक्षत्र
निर्जर	–	देवता	**गृह**	–	घर

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

8. विकारी शब्द : संज्ञा

मौखिक प्रश्न

1. किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। **2.**संज्ञा के मुख्यतः तीन भेद होते हैं– **अ.** व्यक्तिवाचक संज्ञा **ब.** जातिवाचक संज्ञा **स.** भाववाचक संज्ञा। **3.** विद्वानों द्वारा हिंदी व्याकरण में अंग्रेजी भाषा के प्रभाव के कारण समुदायवाचक तथा द्रव्यवाचक संज्ञा को भी संज्ञा के भेद के रूप में स्वीकार किया गया है। **4.** भाववाचक संज्ञाओं का निर्माण जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय से होता है।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** अ **3.** अ **4.** स **5.** अ

2.

	संज्ञा		भेद
1.	रमेश	–	व्यक्तिवाचक
2.	दूध	–	द्रव्यवाचक
3.	कंजूसी	–	भाववाचक
4.	स्वास्थ्य	–	भाववाचक
5.	कक्षा	–	समुदायवाचक

ग. **1.** कड़वाहट **2.** नेतृत्व **3.** महानता **4.** शाबासी **5.** लिखावट

घ.

चतुर	–	चतुराई	दानव	–	दानवता
सजाना	–	सजावट	राष्ट्र	–	राष्ट्रीयता
बुलाना	–	बुलावा	उदार	–	उदारता
नीचे	–	निचाई	अहं	–	अहंकार
कुलीन	–	कुलीनता	ईश्वर	–	ऐश्वर्य

ङ.

अमीरी	–	अमीर	लड़कपन	–	लड़का
उदारता	–	उदार	चुनाव	–	चुनना
हिंदुत्व	–	हिंदु	कटाई	–	काटना
सर्वस्व	–	सारा	भव्यता	–	भव्य
बुढ़ापा	–	बूढ़ा	टकराव	–	टकराना

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

9. लिंग

मौखिक प्रश्न

1. शब्द के जिस रूप से ज्ञात हो कि वह पुरुष जाति का है या स्त्री जाति का, उसे लिंग कहते हैं। **2.** लिंग के दो भेद होते हैं– **अ.** पुल्लिग **ब.** स्त्रीलिंग। **3.** निम्नलिखित शब्द सदा पुल्लिग होते हैं– **अ.** देशों के नाम - भारत, चीन, जापान, अमेरिका आदि। **ब.** सागरों के नाम - प्रशांत महासागर, हिंद महासागर, अरब सागर आदि। **स.** वृक्षों के नाम - आम, केला, अमरूद, सेब आदि। **द.** पर्वतों के नाम - हिमालय, आल्पस, सतपुड़ा, अरावली आदि। **य.** दिनों के नाम–सोमवार, मंगलवार आदि। **4.** निम्नलिखित शब्द सदा स्त्रीलिंग होते हैं– **अ.** लिपियों के नाम - देवनागरी, रोमन, गुरुमुखी आदि। **ब.** नदियों के नाम - गंगा, यमुना, कावेरी, ब्रह्मपुत्र आदि। **स.** भाषाओं के नाम - अंग्रेजी, हिंदी, गुजराती, मराठी आदि। **द.** तिथियों के नाम - प्रथमा, द्वितीया, तृतीया, पूर्णिमा आदि। **य.** बेलों के नाम - बेला, चमेली, जूही आदि। **5.** कुछ ऐसे 'पदनाम' शब्द होते हैं जो दोनों रूपों में समान होते हैं। जैसे– प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, पत्रकार, राज्यपाल, डॉक्टर, मंत्री आदि।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** अ **3.** ब **4.** अ **5.** ब

ख.	सम्राट	–	सम्राज्ञी	योगी	–	योगिन	वीर	– वीरांगना
	बनिया	–	बनियाइन	भाग्यवती	–	भाग्यवान	संन्यासिनी	– संन्यासी
	साध्वी	–	साधु	बिल्ली	–	बिलौटा	क्षत्रिय	– क्षत्राणी
ग.	इमली	–	स्त्रीलिंग	गाजर	–	स्त्रीलिंग	नींबू	– पुल्लिग
	पीपल	–	पुल्लिग	किताब	–	स्त्रीलिंग	चाँदी	– स्त्रीलिंग
	परदा	–	पुल्लिग	कपड़ा	–	पुल्लिग	स्कूल	– पुल्लिग

घ. **1.** मालिन ने टोकरी में आम रखें। **2.** सेठानी ने भिखारिन को भोजन दिया। **3.** राजा ने दास को उपहार दिया। **4.** लोगों ने अभिनेत्री की प्रशंसा की। **5.** बाप को अपनी बेटी रूपमती लगती है।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

10. वचन

मौखिक प्रश्न

1. शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध हो उसे वचन कहते हैं। **2.** वचन के दो भेद होते हैं– **अ.** एकवचन **ब.** बहुवचन। **3.** सदा एकवचन में प्रयोग किए जाने वाले शब्द हैं– आकाश, घी, दही, दूध, पानी। **4.** सदा बहुवचन में प्रयोग

किए जाने वाले शब्द– आँसू, केश, दर्शन, हस्ताक्षर, दर्शक।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** अ **3.** स **4.** अ **5.** स

ख. **1.** लड़कियाँ पढ़ रही हैं। **2.** नदियाँ पहाड़ों से निकलकर सागर तक जाती हैं। **3.** हलवाइयों ने मिठाइयाँ सजाकर रखीं है। **4.** पेड़ों पर मीठे आम लगे हैं। **5.** महिलाओं ने कविताएँ लिखीं।

ग.

कथा	–	कथाएँ	अध्यापक	–	अध्यापकगण
तलवार	–	तलवारें	मजदूर	–	मजदूरवर्ग
किस्सा	–	किस्से	चोटी	–	चोटियाँ
सीढ़ी	–	सीढ़ियाँ	लता	–	लताएँ
चुहिया	–	चुहियाँ	कली	–	कलियाँ

घ. **1.** रमा की आँखों से आँसू निकल पड़े। **2.** सोने-चाँदी के भाव बढ़े हैं। **3.** मंदिर में भगवान के दर्शन किए। **4.** मैंने चार किताबें खरीदीं। **5.** पेड़ से पत्ते गिर रहे हैं।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

11. कारक

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया का अन्य शब्दों के साथ संबंध जाना जाए, उसे कारक कहते हैं। **2.** कारक के आठ भेद होते हैं– **अ.** कर्ता कारक **ब.** कर्म कारक **स.** करण कारक **द.** संप्रदान कारक **य.** अपादान कारक **र.** संबंध कारक **ल.** अधिकरण कारक **व.** संबोधन कारक।

(ग)

	कारक	परसर्ग/विभक्ति		कारक	परसर्ग/विभक्ति
1.	कर्ता	ने	**5.**	अपादान	से (अलग होना)
2.	कर्म	को	**6.**	संबंध	का, के, की
3.	करण	से, के द्वारा	**7.**	अधिकरण	में, पर
4.	संप्रदान	के लिए	**8.**	संबोधन	हे, अरे

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** ब **3.** स **4.** ब **5.** ब

ख.

	कारक	भेद
1.	की	संबंधकारक

2. के लिए संप्रदानकारक

3. पर अधिकरणकारक

4. से अपादान कारक

5. से करणकारक

ग. **1.** माँ ने हलवा बनाया। **2.** आकाश कार से आगरा गया। **3.** बाग में फूल खिले हैं। **4.** माँ बहू के लिए चूड़ियाँ लाईं। **5.** मैंने प्रियंका को कल बुलाया था।

घ.

(ने)	कर्ताकारक	(से, द्वारा)	करणकारक
(को)	कर्मकारक	(का, की, के)	संबंधकारक
(के लिए)	संप्रदानकारक	(में, पर)	अधिकरणकारक

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

12. सर्वनाम

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। **2.** सर्वनाम के छह भेद होते हैं– **अ.** पुरुषवाचक सर्वनाम **ब.** निश्यवाचक सर्वनाम **स.** अनिश्चयवाचक सर्वनाम **द.** प्रश्नवाचक सर्वनाम **य.** संबंधवाचक सर्वनाम **र.** निजवाचक सर्वनाम। **3.** पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं– **अ.** उत्तम पुरुष **ब.** मध्यम पुरुष **स.** अन्य पुरुष।

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** ब **3.** स **4.** अ **5.** ब

ख. **1.** कोई – अनिश्चयवाचक **2.** जो-वही – संबंधवाचक **3.** ये – निश्यवाचक **4.** यह – प्रश्नवाचक **5.** स्वयं – निजवाचक।

ग. **1.** किसका काम पूरा नहीं हुआ? **2.** हमारे दादाजी आज आएँगे। **3.** मुझे उसने बुलाया है। **4.** तुम्हारे घर उसके भाई आए हैं। **5.** तुम अपना घर साफ रखा करो।

घ. **1.** उसका **2.** मैंने **3.** जिसने, उसे **5.** तुम्हारा **6.** हमारा।

रचनात्मक कार्य

स्वयं कीजिए।

13. विशेषण

मौखिक प्रश्न

1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट करते हैं, वे 'विशेषण' कहलाते हैं।

2. विशेषण के चार भेद होते हैं– **अ.** गुणवाचक विशेषण **ब.** संख्यावाचक विशेषण **स.** परिमाणवाचक विशेषण **द.** सार्वनामिक विशेषण। **3.** जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है वे 'विशेष्य' कहलाते हैं। **4.** विशेषण शब्दों की भी विशेषता बताने वाले शब्दों को प्रविशेषण कहते हैं। **5.** विशेषण शब्दों की रचना संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं अव्यय द्वारा होती है। **6.** तुलना के आधार पर विशेषण की तीन अवस्थाएँ मानी गई हैं– **अ.** मूलावस्था **ब.** उत्तरावस्था **स.** उत्तमावस्था।

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** अ **3.** ब **4.** ब **5.** स

ख. **1.** दर्शनीय **2.** डरावने **3.** पढ़ाकू **4.** स्वादिष्ट **5.** भुलक्कड़

ग.

	विशेषण	**विशेष्य**
1.	प्रभावशाली	भाषण
2.	निपुण	शास्त्रीय नृत्य
3.	कुछ	कपड़े
4.	दस	लीटर
5.	थोड़े	चावल

घ.

बाजार	–	बाजारू	जो	–	जैसा
धर्म	–	धार्मिक	लड़ना	–	लड़ाकू
पत्थर	–	पथरीला	देखना	–	दिखावटी
कमाना	–	कमाऊ	हृदय	–	हार्दिक
अड़ना	–	अड़ियल	ऊपर	–	ऊपरी

ङ

लघु	–	लघुतर	लघुतम	**सुंदर**	–	सुंदरतर	सुंदरतम
प्रिय	–	प्रियतम		**निम्न**	–	निम्नतर	
तीव्र	–	तीव्रतर		**अधिक**	–	अधिकतम	

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

14. क्रिया

मौखिक प्रश्न

1. जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का बोध हो उसे क्रिया कहते हैं। **2.** क्रिया के दो भेद होते हैं– **अ.** कर्म के आधार पर **ब.** संरचना के आधार पर। **3.** कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं– **अ.** अकर्मक क्रिया **ब.** सकर्मक क्रिया – (i) एककर्मक क्रिया (ii) द्विकर्मक क्रिया। **4. अकर्मक क्रिया की पहचान–** वाक्य में

क्रिया के साथ 'क्या' या 'किसको' लगाकर प्रश्न किया जाता है। यदि उत्तर नहीं मिलता है तो क्रिया अकर्मक होती है। उदाहरण– सुष्मिता हँसती है– क्या हँसती है? किसको हँसती है? आदि प्रश्न करने पर कोई उत्तर नहीं मिलता, अतः यह क्रिया अकर्मक है। **सकर्मक क्रिया की पहचान–** सकर्मक क्रिया की पहचान के लिए वाक्य में प्रयुक्त क्रिया पर 'क्या' या 'किसको' लगाकर प्रश्न किया जाता है। यदि उचित उत्तर प्राप्त हो तो क्रिया सकर्मक होती है। उदाहरण– हलवाई जलेबी बना रहा है। क्या बना रहा है? प्रश्न करने पर उत्तर प्राप्त होता है 'जलेबी', अतः यह सकर्मक क्रिया है। **5.** संरचना के आधार पर क्रिया के पाँच भेद होते हैं– **अ.**सामान्य क्रिया **ब.**संयुक्त क्रिया **स.** नामधातु क्रिया **द.** प्रेरणार्थक क्रिया **य.** पूर्वकालिक क्रिया।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** ब **4.** स **5.** अ

ख.

	क्रिया	भेद
1.	बैठे हैं	सकर्मक
2.	खेल रहे हैं।	अकर्मक
3.	हँस रही है।	अकर्मक
4.	लिख रहे हैं।	सकर्मक
5.	सुनायी	सकर्मक

ग. **1.** खेलना **2.** बैठे **3.** खिलखिलाने **4.** घूमने जाएँगे। **5.** हथिया।

घ.

1.	झूठ	–	झुठलाना	**2.**	अपना	–	अपनाना
3.	चमक	–	चमकाना	**4.**	तोतला	–	तुतलाना
5.	साठ	–	सठियाना	**6.**	फिल्म	–	फिल्माना
7.	शर्म	–	शर्माना	**8.**	गरम	–	गरमाना
9.	लालच	–	ललचाना	**10.**	लज्जा	–	लजाना

5.

प्रथम प्रेरणार्थक	**द्वितीय प्रेरणार्थक**
पढ़ाना	पढ़वाना
खिलाना	खिलवाना
गिरना	गिरवाना
सुलाना	सुलवाना
हँसाना	हँसवाना

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

15. काल

मौखिक प्रश्न

1. क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने के समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं। **2.** काल के तीन भेद होते हैं– **अ.** भूतकाल **ब.** वर्तमान काल **स.** भविष्यत् काल। **3.** भूतकाल के छह भेद होते हैं– **अ.** सामान्य भूतकाल **ब.** आसन्न भूतकाल। **स.** पूर्ण भूतकाल **द.** अपूर्ण भूतकाल **य.** संदिग्ध भूतकाल **र.** हेतु-हेतुमद भूतकाल। **4.** वर्तमान काल के तीन भेद होते हैं– **अ.** सामान्य वर्तमान काल **ब.** अपूर्ण वर्तमान काल **स.** संदिग्ध वर्तमान काल। **5.** भविष्यत् काल के तीन भेद होते हैं– **अ. सामान्य भविष्यत् काल–** क्रिया के जिस रूप से कार्य का आने वाले समय में सामान्य रूप से होने या करने का बोध हो, उसे सामान्य भविष्यत् काल कहते हैं। उदाहरण– बच्चे मैच खेलेंगे। **ब. भविष्यत् काल–** क्रिया के जिस रूप से कार्य के भविष्य में होने की संभावना हो परंतु निश्चित न हो, उसे संभाव्य भविष्यत् काल कहते हैं। उदाहरण– शायद कल वर्षा हो। **स. हेतु-हेतुमद भविष्यत् काल–** इस काल के वाक्य में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर निर्भर होता है; अर्थात क्रिया किसी अन्य क्रिया के होने पर ही संपन्न होगी। इसे हेतु-हेतुमद भविष्यत् काल कहते हैं। उदाहरण– यदि तुम परिश्रम करोगे तो अवश्य सफल होंगे।

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** स **3.** अ **4.** ब **5.** स

ख.

	काल	भेद
1.	वर्तमान काल	सामान्य वर्तमान
2.	भूतकाल	आसन्न भूतकाल
3.	भविष्यत्काल	संभाव्य भविष्यत्काल
4.	भविष्यत्काल	संभाव्य
5.	भूतकाल	हेतु-हेतुमद भूतकाल

ग. **1.** आ रहे हैं। **2.** पढ़ाया। **3.** बनाएँगी **4.** जा चुकी थी। **5.** सुनाएँगे।

घ. **1.** वह प्रतिदिन खेलने जाता था। **2.** भाई के विवाह पर माँ शायद नए जेवर खरीदे। **3.** रोनित नृत्य कर रहा होगा। **4.** कल हम मुंबई गए थे। **5.** विद्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

16. वाच्य

मौखिक प्रश्न

1. क्रिया का वह विधान जिससे यह पता चलता है कि क्रिया का मुख्य विषय कर्ता है, कर्म है या भाव है, वाच्य कहलाता है। **2.** वाच्य के तीन भेद होते हैं– **अ.** कर्तृवाच्य **ब.** कर्मवाच्य **स.** भाववाच्य। **3. कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य** बनाते समय निम्न बातों का ध्यान रखना जाता है– (i) कर्तृवाच्य की मुख्य क्रिया को सामान्य भूतकाल की क्रिया में परिवर्तित किया जाता है। (ii) कर्ता के साथ से या द्वारा लगाया जाता है। (iii) मुख्य क्रिया के साथ सहायक क्रिया के रूप में जाना धातु का प्रयोग किया जाता है। (iv) यदि कर्म के साथ विभक्ति हो तो उसे हटाना चाहिए। **कर्तृवाच्य से भाववाच्य** बनाते समय निम्न बातों का ध्यान रखना जाता है– (i) कर्ता के साथ से या द्वारा लगाना चाहिए। (ii) मुख्य क्रिया के साथ जाना धातु लगानी चाहिए। (iii) धातु के एकवचन, पुल्लिग एवं अन्य पुरुष का वही काल लगाना चाहिए जो कर्तृवाच्य की क्रिया का हो। **4.** प्रश्न (ग) का उत्तर देखें।

लिखने का समय

क. **1.** द **2.** ब **3.** ब **4.** अ **5.** ब

ख. **1.** कर्मवाच्य **2.** कर्तृवाच्य **3.** भाववाच्य **4.** कर्तृवाच्य **5.** भाववाच्य

ग. **1.** मेरे द्वारा माँ को पत्र लिखा जाता है। **2.** मेरे से प्रतिदिन पढ़ा जाता है। **3.** धोबी ने कपड़े प्रेस कर दिए। **4.** उससे कुछ भी नहीं लिखा जाता। **5.** सरकार के द्वारा सबके बैंक खाते खुलवाए गए।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

17. अविकारी शब्द/अव्यय

मौखिक प्रश्न

1. अविकारी शब्द वे हैं जिनमें किसी भी परिस्थिति में कोई परिवर्तन नहीं होता। **2.** अविकारी शब्द पाँच प्रकार के होते हैं– **अ.** क्रियाविशेषण **ब.** संबंधबोधक **स.** समुच्चयबोधक **द.** विस्मयादिबोधक **य.** निपात। **3.** जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, क्रियाविशेषण कहलाते हैं। **4.** जो अव्यय दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने का काम करते हैं, वे समुच्चयबोधक कहलाते हैं, इन्हें 'योजक' भी कहा जाता है। **5.** जो अव्यय संज्ञा या सर्वनाम के बाद लगकर उसका संबंध वाक्य में प्रयुक्त दूसरे शब्दों के साथ निर्धारित करते हैं, उन्हें संबंधबोधक कहते हैं। **6.** जो अव्यय विस्मय, हर्ष, शोक, घृणा, आशीर्वाद आदि भावों को प्रकट करते हैं, वे विस्मयादिबोधक कहलाते हैं। उदाहरण– (i) वाह! कितना सुंदर दृश्य है। (ii) ओह! ये सब कैसे हुआ। (iii) शाबाश! तुमने बहुत अच्छा गाया। (iv) बाप रे! कितना भयंकर शेर। **7.** जो

अव्यय किसी शब्द के बाद लगकर उसके अर्थ को बल प्रदान करते हैं, वे निपात कहलाते हैं। उदाहरण– (i) उसने मुझसे बात तक नहीं की। (ii) प्रधानाचार्य के आने भर की देर थी, सब शांत हो गए। (iii) हमने ही यह कार्य पूरा किया है। (iv) कल मेरा चचेरा भाई भी आएगा।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** अ **3.** स **4.** अ **5.** अ

ख.

	क्रियाविशेषण	भेद
1.	ध्यानपूर्वक	रीतिवाचक
2.	अभी-अभी	कालवाचक
3.	कम	परिमाणवाचक
4.	लगातार	रीतिवाचक
5.	इधर-उधर	स्थानवाचक

ग. **1.** सिवा **2.** के साथ **3.** के पास **4.** के साथ **5.** के नीचे

घ. **1.** घड़ी में अलार्म लगा दो ताकि सुबह सवेरे उठ पाओ। **2.** तुलसी और सूरदास भक्तिकाल ने कवि हैं। **3.** रवीश ने बहुत प्रयत्न किया फिर भी उसका काम नहीं बन सका। **4.** आज सोमवार है इसलिए बाजार बंद है। **5.** मयंक को एक अलमारी और एक मेज खरीदनी है।

ङ **1.** छिः छिः! **2.** शाबास! **3.** अरे! **4.** वाह! **5.** उफ!

च. **1.** ही **2.** तक **3.** ही **4.** भी **5.** भर

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

18. वाक्य रचना एवं भेद

मौखिक प्रश्न

1. शब्दों के सार्थक एवं व्यवस्थित समूह को वाक्य कहते हैं। **2.** वाक्य के दो मुख्य अंग होते हैं– **अ.** उद्देश्य **ब.** विधेय। **3.** रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं– **अ.** सरल वाक्य **ब.** संयुक्त वाक्य **स.** मिश्रित वाक्य। **4.** अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं– **अ.** विधानवाचक वाक्य **ब.** निषेधवाचक वाक्य **स.** आज्ञावाचक वाक्य **द.** प्रश्नवाचक वाक्य **य.** संकेतवाचक वाक्य **र.** संदेहवाचक वाक्य **ल.** इच्छावाचक वाक्य **व.** विस्मयादिबोधक वाक्य।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** ब **4.** ब **5.** ब

ख.	उद्देश्य	विधेय
1.	महाराणा प्रताप	वीर योद्धा थे।
2.	चालाक लोमड़ी	शिकार की तालाश में बैठी थी।
3.	आशीष के भाई मयूर ने	कुत्ते को भगा दिया।
4.	देशभक्त आजाद को	कोई नहीं भूल सकता।
5.	माँ ने मेरे जन्मदिन पर	कई पकवान बनाए।

ग. **1.** मधुर बोलने वाले सबके प्रिय होते हैं। **2.** जैसे ही भूकंप आया वैसे ही लोग घरों से बाहर निकलने लगे। **3.** जब मैं स्टेशन पर पहुँचा ट्रेन जा चुकी थी। **4.** मेरा मित्र सफेद गाड़ी में बैठा है। **5.** मैं बाजार जाकर नए जूते खरीदकर लाया।

घ. **(क)** अमन कल दिल्ली नहीं जाएगा। **(ख)** यदि तुम मेहनत करोगे तो सफल होओगे। **(ग)** मोनिका, खाना खाओ। **(घ)** बच्चे क्या उड़ा रहे हैं? **(ङ)** शायद कल वर्षा हो।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

19. विराम चिह्न

मौखिक प्रश्न

1. लिखित भाषा में रुकने की प्रक्रिया को स्पष्ट करने के लिए जिन सांकेतिक चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं। **2.** हिंदी भाषा के कुछ प्रमुख विराम चिह्न

1. पूर्णविराम	(।)	7.	कोष्ठक	[( )]
2. अल्पविराम	(,)	8.	उद्धरण चिह्न	(“ ”)
3. अर्धविराम	(;)	9.	विवरण चिह्न	(:–)
4. प्रश्न चिह्न	(?)	10.	लाघव चिह्न	(o)
5. योजक अथवा विभाजक चिह्न	(-)	11.	विस्मयादिबोधक चिह्न	(!)
6. निर्देशक	(–)	12.	त्रुटिपूरक चिह्न	(^)

3. योजक चिह्न (-)– ये चिह्न दो अलग शब्दों को जोड़ता है। इसका प्रयोग द्वंद्व तथा तत्पुरुष समास में, द्वित्व तथा शब्द-युग्म में किया जाता है। उदाहरण– (i) रजत रात-दिन पढ़ता रहता है। (ii) जीवन में हार-जीत तो लगी रहती है। **4. अल्पविराम (,)–** किसी भी एक वाक्य को पढ़ते या बोलते समय बीच में थोड़ी देर रुकने के लिए अल्पविराम का प्रयोग होता है। उदाहरण– (i) मैंने बैग में कॉपी, किताब, पैन, पेंसिल आदि रख लिए। (ii) सुनीता, रमा, आशिमा और सुधा फिल्म देखने गए। **अर्द्धविराम (;)–** वाक्य में अल्पविराम से कुछ अधिक देर रूकने के लिए इसका प्रयोग होता है। उदाहरण– (i) हम कल आगरा जाएँगे; वहाँ ताजमहल देखेंगे। (ii) पुलिस आई; चोरों

को पकड़ा; हथकड़ियाँ पहनाकर ले गई। **5. त्रुटिपूरक चिह्न (^)–** वाक्य में गलती से जब कुछ छूट जाता है, तब उपयुक्त शब्द ऊपर लिख दिया जाता है, उसे दिखाने के लिए त्रुटिपूरक चिह्न का प्रयोग किया जाता है। उदाहरण– (i) भूकंप के कारण कई इमारतें ^ गिर गईं। (ii) सुबह से बिजली गायब ^ है।

लिखने का समय

क. **1.** ब **2.** स **3.** अ **4.** ब **5.** अ

ख. **1.** भगतसिंह ने नारा बोला, "इंकलाब जिंदाबाद"। **2.** पिताजी बाजार से आम, केला, सेब और संतरे लाए। **3.** डॉ० संजय जैन ने गरीबों का मुफ्त इलाज किया। **4.** जीवन में सुख-दुख तो आते-जाते रहते हैं। **5.** शाबाश! मुझे तुमसे यही उम्मीद थी।

ग. **पूर्णविराम (।)–** वाक्य की समाप्ति पर पूर्णविराम (।) का प्रयोग किया जाता है। प्रश्नवाचक तथा विस्मयादिबोधक वाक्यों के अतिरिक्त सभी वाक्यों के अंत में इसका प्रयोग किया जाता है।

लाघव चिह्न (०)– जब शब्द को पूरा न लिखकर उसका संक्षिप्त रूप लिख दिया जाता है, वहाँ लाघव चिह्न **(०)** का प्रयोग किया जाता है।

योजक चिह्न (-)– ये चिह्न दो अलग शब्दों को जोड़ता है। इसका प्रयोग द्वंद्व तथा तत्पुरुष समास में, द्वित्व तथा शब्द-युग्म में किया जाता है।

विवरण चिह्न (:–)– किसी विषय अथवा बात को समझाने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

प्रश्नवाचक (?)– इसका प्रयोग प्रश्नसूचक वाक्यों के अंत में होता है। इनमें प्रश्न पूछे जाने का विधान है।

घ. **1.** रामचरितमानस हिंदुओं का पवित्र ग्रंथ है। **2.** अजय ने रात-दिन परिश्रम किया। **3.** तुम, अमेरिका कब जा रहे हो? **4.** हे प्रभु! हमारी रक्षा कीजिए। **5.** रोहित ने मधुर गीत ^ गाया।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

20. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

मौखिक प्रश्न

1. मुहावरे वाक्यांश होते हैं जो किसी विशेष अर्थ में रूढ़ हो जाते हैं। इनका शाब्दिक अर्थ न होकर लाक्षणिक अर्थ निकलता है। मुहावरों का स्वतंत्र रूप से प्रयोग नहीं होता, ये वाक्य के ही अंश होते हैं। इनके प्रयोग से भाषा सशक्त, आकर्षक एवं प्रभावशाली बनती है। उदाहरण– (i) गौरव द्वारा चोरी करने पर परिवार वालों की नाक कट गई। (ii) सुधा हमेशा सबके कान भरती रहती है। **2.** लोकोक्ति शब्द लोक + उक्ति दो शब्दों

के संयोग से बना है, जिसका अर्थ है- समाज में प्रचलित परंपरागत कथन। इन्हें जनश्रुति एवं कहावत भी कहा जाता है। यह अनुभव पर आधारित एवं अर्थ को प्रमाणित करती है। इनका प्रयोग लोगों द्वारा अपने कथन के समर्थन में किया जाता है। यह अपने आप में पूर्ण होती है अर्थात् इनका स्वतंत्र रूप से प्रयोग भी किया जा सकता है। **3.** मुहावरे और लोकोक्ति में अंतर– **मुहावरा– अ**. मुहावरा अपने रूढ़ अर्थ के लिए प्रसिद्ध होता है। **ब.** यह वाक्य का अंश होता है। उसका वचन, लिंग, रूप, कारक आदि बदल जाता है। **स.** यह वाक्य में चमत्कार उत्पन्न करता है। **4.** इसमें क्रिया पद होना आवश्यक है। **लोकोक्ति– अ**. यह लोक में प्रचलित उक्ति होती है। **ब.** यह पूर्ण वाक्य होता है। इसका स्वतंत्र प्रयोग हो सकता है। **स.** इसका प्रयोग कथन को प्रमाणित करने के लिए किया जाता है। **द.** लोकोक्ति में क्रियापद की आवश्यकता नहीं होती।

लिखने का समय

क. **1.** स **2.** ब **3.** अ **4.** ब **5.** अ

ख. **1. बहुत कम अंतर–** अमन और नमन में उन्नीस-बीस का अंतर है।

2. बहुत गुस्सा होना– निधि को लेट आता देखकर उसके पिता आग बबूला हो गए।

3. अवसरवादी होना– अजय गिरगिट की तरह रंग बदलता है।

4. बहुत दिनों बाद मिलना– तुम तो ईद का चाँद हो गए।

5. चुपचाप काम करना– घर में चोरी की किसी को कानों-कान खबर नहीं हुई।

ग. **1.** लाठी उसकी भैंस **2.** पाँव फूल **3.** के मुँह में जीरे **4.** का साँप **5.** दुकान फीका

घ. **1. लोकोक्ति–** अंधे के हाथ बटेर लगना

वाक्य– ज्यादा पढ़ा-लिखा न होने पर भी अनिल को सरकारी नौकरी मिल गई। इसे ही कहते हैं अंधे के हाथ बटेर लगना।

2. लोकोक्ति– आगे कुआँ पीछे खाई

वाक्य– अब अमित क्या करें, उसके तो आगे कुआँ है और पीछे खाई।

3. लोकोक्ति– खोदा पहाड़ निकली चुहिया

वाक्य– राजेश के घर आयकर विभाग का छापा पड़ा लेकिन कुछ नहीं मिला। इसे कहते है खोदा पहाड़ निकली चुहिया।

4. लोकोक्ति– अंधों में काना राजा

वाक्य– राकेश छठी पास होने के बावजूद अपने गाँव में अंधों में काना राजा बनकर घूमता है।

खेल-खेल में

स्वयं कीजिए।

21. रचनात्मक अभिव्यक्ति (मौखिक रूप)

स्वयं कीजिए।

22. रचनात्मक अभिव्यक्ति (लिखित रूप)

स्वयं कीजिए।

23. अपठित गद्यांश

क. 1. ब 2. स 3. द 4. अ

ख. 1. अ 2. स 3. ब 4. स 5. अ

ग. 1. स 2. ब 3. स 4. द

घ. 1. स 2. ब 3. अ 4. ब

24. अपठित पद्यांश

क. 1. ब 2. अ 3. स 4. अ 5. ब

ख. 1. ब 2. अ 3. अ 4. स

ग. 1. स 2. अ 3. द 4. अ 5. ब

घ. 1. द 2. ब 3. ब 4. अ

25. पत्र लेखन

स्वयं कीजिए।

26. अनुच्छेद लेखन

स्वयं कीजिए।

27. निबंध लेखन

स्वयं कीजिए।

व्याकरण–08

1. भाषा, बोली, लिपि, व्याकरण एवं साहित्य

मौखिक प्रश्न

1. भाषा सार्थक ध्वनियों का वह समूह है, जिसके माध्यम से हम अपने विचार दूसरों के सामने रखते हैं और दूसरों के विचार ग्रहण करते हैं। 2. भाषा के दो रूप होते हैं– मौखिक और लिखित। 3. **मौखिक भाषा–** अपने विचार बोलकर प्रकट करना और सुनकर ग्रहण करना भाषा का मौखिक रूप कहलाता है। यही भाषा का मूल रूप है। इसे सीखने के लिए प्रयास नहीं करना पड़ता। भाषा के इस रूप का प्रयोग सबसे अधिक होता है। भाषण, वाद-विवाद, कहानी सुनाना, कविता पाठ, समाचार वाचन,